The Feature Times
भारत की पहली हिंदी फीचर वेबसाइट

September 6, 2019 SEARCH



# पहल / अनुभव और तजुर्बे को सम्मान देने का नाम है 'हेल्दी एजिंग इंडिया'

182 VIEWS | BY THE FEATURE TIMES ON AUGUST 12, 2019

*चित्र : 'हेल्दी एजिंग इंडिया' के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. प्रसून चटर्जी स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए।*

***हेल्दी एजिंग इंडिया (HAI) भारतीय सोसायटी अधिनियम, 1860 के तहत पंजीकृत है। यह एक गैर सरकारी संस्था है जो वरिष्ठ नागरिकों के लिए सम्मानजनक और सक्रिय रहने की दृष्टि के साथ काम कर रही है। इस एनजीओ के जरिए ऐसे कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, जो वरिष्ठ नागरिकों, वंचितों, बच्चों की समग्र शिक्षा और स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करते हैं।***

समानता, शांति और न्याय मूल तत्व को लेकर अपने परोपकारी मिशन में *'हेल्दी एजिंग इंडिया'* हर दिन नए आयाम स्थापित कर रहा है। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. प्रसून चटर्जी बताते हैं, *'हम समय को नहीं रोक सकते हैं, लेकिन हम अपनी आत्मा को हास्य, कृतज्ञता और रचनात्मकता के साथ युवा रख सकते हैं। चिकित्सक होने के नाते मैं हमेशा उम्र के चौथे पड़ाव पर पहुंच चुके लोगों को बढ़ावा देता हूं क्योंकि इस समय तक आपके पास जिंदगी का वो तजुर्बा रहता है, जो बच्चों और युवाओं के पास नहीं होता।'*

डॉ. प्रसून आगे कहते हैं, *'यह तो सभी जानते हैं कि स्कूली बच्चों का कई कारणों से अपने दादा-दादी के प्रति लगाव होता है। वृद्ध वयस्कों को जीवन के अनुभव का लाभ रहता है, बच्चों के प्रति उनका प्यार बिना शर्त है, वे न्यायपूर्ण है*

Privacy - Terms

*अच्छी तरह से संगठित और अनुशासित हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वे सफलता या असफलता की अस्वस्थ दौड़ के प्रति जागरुक रहते हैं।'*

डॉ. चटर्जी कहते हैं कि दरअसल, बच्चों और दादा-दादी के बीच संवाद जरूरी है। अपने दादा-दादी से बात करें। उनके साथ 10 मिनट बैठें।

उनकी आधी बीमारी बातचीत से दूर की जा सकती है। उन्हें भोजन के साथ ही प्यार और लगाव की जरूरत है।

बुजुर्गों को निराशा से बचने की सलाह देते हुए वो बताते हैं, 'सक्रिय रहने के तरीके हैं कि आप व्यायाम, वॉकिंग, गणित की समस्याएं सुलझाएं, इंटरनेट पर समय दें, अखबार पढ़ें, कुछ न कुछ करते रहें।'

**मोबाइल वैन के जरिए होता है निःशुल्क उपचार**

भारत में ऐसे कई लोग हैं जिनको सही समय पर चिकित्सा और देखभाल नहीं मिल पाती है ऐसे में हेल्दी एजिंग इंडिया के जरिए हमारा यही उद्देश्य है कि मुख्य रूप से भारत में वृद्धों के लिए घर पर देखभाल, डे केयर सेंटर या सामुदायिक जीरिएट्रिक्स की अवधारणा जो कि अभी तक विकसित नहीं हुई है, वो शुरू की जाए, इसके साथ ही दिल्ली/एनसीआर और स्वास्थ्य शिविरों में व्यापक चिकित्सा और देखभाल मोबाइल वैन चलाकर की जा रही है।

*चित्र : हिमांशु बच्चों को संगीत सिखाते हुए।*

हम यह पूरे भारत में शुरू करनी की कोशिश में आगे की प्रक्रियाओं को जारी बनाए हुए हैं। मोबाइल यूनिट के जरिए 27 वृद्धाश्रम, जहां लगभग 1777 वृद्ध वयस्कों की सेवा की जा रही है।

- [भविष्य / भारत में टूरिज्म का बढ़ता बाजार इन विकल्पों पर रखें नजर]
- [विज्ञान / रोबोट सोफिया की ख्वाहिश, जाना चाहती हैं यहां]

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, भारत में 12 करोड़ बजुर्ग समस्याग्रस्त हैं, जिनमें से 10 प्रतिशत 80 वर्ष से अधिक हैं, और इनमें उच्च रक्तचाप, हड्डी टूटना, कैल्शियम की कमी, और दिल की बीमारी है। डॉ. चटर्जी 1 लाख से भी ज्या

Privacy - Terms

लोगों की मदद निःशुल्क कर चुके हैं। वो कहते हैं, 'जब मैं चेन्नई में था तो जगह-जगह अभियान चलाए, शिविर लगाए। हर महीने हम कहीं न कहीं शिविर के लिए जाते हैं।'

## क्यों जरूरी है देश में हेल्दी एजिंग इंडिया

हेल्दी एजिंग इंडिया एक एक्सपेरिमेंटल डायनेमिक है न कि प्रॉफिट ऑर्गनाइजेशन संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. प्रसून चटर्जी के मार्गदर्शन में प्राथमिक स्वास्थ्य और शिक्षा, जेरियाट्रिक मेडिसिन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर, मेडिकल साइंस के ऑल इंडिया, (AIIMS) नई दिल्ली में कार्यरत् हैं।

*चित्रः अजय पायल बच्चों को गणित पढाते हुए।*

बड़े पैमाने पर देश के विभिन्न क्षेत्रों में कमजोर बुजुर्ग लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं का विचार पहली बार 2011 में लिया गया था और इसे भारतीय समाज अधिनियम, 1860 के तहत एक संगठन के रूप में पंजीकृत किया गया था। दिसंबर 2013 यह 'वी केयर फॉर यू' के विचार के साथ शुरू हुआ और वर्तमान में यह हेल्दी एजिंग इंडिया के नाम से कार्यरत् है। जिसे एम्स के डॉक्टर प्रसून चटर्जी द्वारा सन 2013 स्थापित किया किया गया था। यह संस्था भारत मे उच्च प्राथमिक शिक्षा, वृद्धजनों के स्वास्थ्य और हेल्थ लर्निंग सेंटर जैसे मुद्दों पर कार्य कर रही है।


- आत्म सम्मान / जिंदा हैं तो हल है मर गए तो विफल, लेकिन क्यों?
- अनुभव / रखें इन बातों का ध्यान हर मुश्किल हो जाती है आसान


उत्तर प्रदेश मे यह संस्था रेलटेल कम्पनी की आर्थिक मदद से महामारी के दौरान सुरक्षित पेड का यूज कैसे करें विषय पर कार्य कर रही है, जिसके अंतर्गत संस्था ने उत्तर प्रदेश के 8 पिछड़े जिलों के 180 उच्च प्राथमिक स्कूलों का चयन किया और इन स्कूलों मे संस्था द्वारा वेनडिंग मशीन द्वारा लड़कियों को निःशुल्क सैनिटरी नैपकिन दिया जा रहा है। तो वहीं दुसरी मशीन जिसका नाम इलेक्ट्रिक इंसिनरेटर लगाई जा रही है, जिसका कार्य उपयोग मे आए सैनिटरी नैपकिन को नष्ट होगा। इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य 180 उच्च प्राथमिक स्कूलों मे महावारी के दौरान स्वास्थ्य सुरक्षा को बनाए रखना है।

## संस्थान की वो बातें जो बनाती हैं उसे बेहतर

बुजुर्गों में सक्रिय शिक्षा और स्वास्थ्य को बढ़ावा दिया जाता है ताकि वो और बच्चों और युवाओं के दृष्टिकोण को नए आयाम देते हुए गुणवत्ता और नैतिक शिक्षा दे सकें। हेल्दी एजिंग इंडिया के जरिए कई तरह के कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं जो शिक्षा और स्वास्थ्य पर आधारित हैं। जैसे कि...

Privacy - Terms

### 1. आईजीएलसी (IGLC) योजना

यह योजना सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को मूल्य शिक्षा के साथ पाठ्यक्रम सहायता प्रदान करना चाहती है, जहां उन्हें वरिष्ठ लोगों द्वारा सलाह दी जाती हैं, जो विभिन्न व्यवसायों से सेवानिवृत्त हुए हैं।

*चित्र : हेल्दी एजिंग इंडिया का स्वास्थ्य शिविर।*

स्कूली बच्चों को वर्तमान शिक्षा प्रणाली NCERT और सरकारी अधिकारियों से अनुभवी संकाय द्वारा शिक्षण और सीखने के तरीकों पर प्रशिक्षण दिया जाता है। यह स्कूल की आवश्यकता के आधार पर तय होता है। IGLC कक्षाएं स्कूल घंटे के भीतर या बाद में आयोजित की जाती हैं।


- दर्शन / ...तो क्या योग प्रथाओं के खिलाफ है अद्वैत?
- दर्शन / रमण महर्षि क्यों कहे जाते हैं नव-अद्वैत के प्रणेता!


वर्तमान में, आईजीएलसी दिल्ली और एनसीआर के 7 सरकारी स्कूलों में चल रहा है, जिसे बाद में गांधी स्मृति और दर्शन समिति (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार) के वित्तीय समर्थन के साथ चरणबद्ध तरीके से दिल्ली के 45 एनडीएमसी स्कूलों में विस्तारित किया जाना है।), इसमें ओएनजीसी और अन्य सीएसआर साझेदार हैं। IGLC प्रोजेक्ट सितंबर 2017 में शुरू किया गया था और पद्म राम बहादुर राय द्वारा उद्घाटन किया गया था।

### 2. व्यापक जराचिकित्सा मोबाइल हेल्थ केयर वैन

अल्प स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं के साथ गरीब बुजुर्गों की समस्याओं को समझने के लिए लगभग 200 वृद्धाश्रम (भारत और विदेश में) खोले गए हैं। लोगों की समस्या से लेकर समाधान तक व्यापक स्वास्थ्य देखभाल के लिए मोबाइल वैन अक्टूबर, 2018 में दिल्ली के एलजी अनिल बैजल द्वारा शुरू की गई थी।

Privacy - Terms

*चित्र : डॉ. प्रसून चटर्जी बालिका को रंग गिफ्ट करते हुए।*

हेल्थ केयर जेरिएट्रिक मोबाइल वैन 21 वृद्धाश्रमों और आरडब्ल्यूए की नवीनतम अत्याधुनिक सुविधाओं और बुनियादी प्रयोगशालाओं से सुसज्जित है, जिसमें मेडिसिन में प्रशिक्षित एमबीबीएस डॉक्टर, एम्स में प्रशिक्षित फिजियोथेरेपिस्ट और स्टाफ, आदि स्वास्थ्य देखभाल गैर की सक्रिय जांच कर रहे हैं।

- स्मृति शेष / विनम्र और शालीन थीं नीलम शर्मा, उनसे सीखें एंकर ये ज्ञान
- रक्षाबंधन / बहन को देना है गिफ्ट तो यहां हैं बेस्ट ऑप्शन

उम्र से संबंधित बीमारियों के लिए प्रतिस्पर्धी रोग, प्रबंधन और पुनर्वास, वरिष्ठ लोगों, स्कूली बच्चों और कॉलेज के छात्रों के माध्यम से काउंसलिंग की जाती है। जेरिएट्रिक मोबाइल वैन से हर दिन 100 मरीज इलाज किया जा रहा है।

### 3. स्वास्थ्य शिक्षा

संस्थान कई अभियान जैसे वॉक-ए-थॉन, संगोष्ठी और व्याख्यान श्रृंखला का संचालन सभी उम्र के लोगों और जीवन के सभी क्षेत्रों से करने के लिए शुरू किए हैं। एक अनुमान पर हमने लगभग 20,000 स्कूलों (दिल्ली, गुजरात, उत्तर प्रदेश, आदि) के युवा लोग 'अपने दादा-दादी को स्वस्थ रखने के उपाय' पर टीकाकरण, जीवनशैली में संशोधन, उचित और उचित आहार-विहार जैसे विभिन्न निवारक तरीकों को शामिल हुए हैं।

### 4. टीकाकरण कार्यक्रम

निमोनिया की रोकथाम के लिए उत्तर भारत के विभिन्न स्थानों पर निमोनिया से बचाव के लिए टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और हमारा उद्देश्य उच्च-कैंसर, मधुमेह, हाइपोथायरायडिज्म, विशेष कैंसर आदि डिमेंशिया अवेयरनेस मॉड्यूल्स में सभी व्यापक बीमारियों के बारे में और देखभाल करने वालों को शिक्षित करना है।

Privacy - Terms

*चित्र : डॉ. प्रसून चटर्जी स्वास्थ्य परीक्षण करते हए।*

मनोचिकित्सक/ स्मृति हानि को रोकने के लिए विशेषज्ञ जराचिकित्सा, डॉक्टरों, नर्स स्टाफ, स्वयंसेवकों आदि द्वारा शामिल हैं। बुजुर्ग टीकाकरण ड्राइव के माध्यम से 5000 से अधिक कमजोर बुजुर्गों को नि: शुल्क टीकाकरण किया है।

## 5. स्वास्थ्य शिविर

स्वास्थ्य शिविर बुजुर्ग लोगों तक पहुंचने के लिए हमारा एक वाहन है, जो देश के दूरदराज के क्षेत्रों में जा रहे हैं। हमने पिछले 6 वर्षों में लगभग 40,000 बुजुर्ग लोगों के खानपान पर 50 से अधिक स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया है।

*चित्र : हेल्दी एजिंग इंडिया मोबाइल बैन।*

जबकि उत्तर भारत के दूरस्थ क्षेत्रों से सीधे दिल्ली, राजस्थान (बीकानेर- भारत पाक सीमा, बहरोड़) तक, (हापुड़, खुर्जा), हिमाचल प्रदेश (बिलासपुर), गांधीनगर, हजारीबाग और मध्य प्रदेश (भिंड), आदि में जराचिकित्सा स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच आगे ले जा रहे हैं।

Share This Article

Dr. Prasoon Chatterjee Education Health Healthy Aging India IGLC Scheme Immunization Program Indian Society Act Mobile Van Sanitary Napkin

Privacy - Terms

Vending Machine We Care for You World Health Organization आईजीएलसी योजना

टीकाकरण कार्यक्रम डॉ. प्रसून चटर्जी भारतीय सोसायटी अधिनियम मोबाइल वैन विश्व स्वास्थ्य संगठन

वेनडिंग मशीन सैनिटरी नैपकिन हेल्दी एजिंग इंडिया

**The Feature Times**

दुनिया में विचार हर जगह हैं, उन विचारों को यहां नए रूप में और उसमें नई जानकारियों को समाहित कर प्रस्तुत किया जा रहा है। यही The Feature Times टीम की सकारात्मक कोशिश है।

## More from जीने की राह

More posts in जीने की राह »

स्मृति शेष / विनम्र और शालीन थीं नीलम शर्मा, उनसे सीखें एंकर ये ज्ञान

रक्षाबंधन / बहन को देना है गिफ्ट तो यहां हैं बेस्ट ऑप्शन

बिश्नोई / भारत के पहले पर्यावरणविद जिनकी पहचान है करुणा और त्याग

स्वास्थ्य / दुनियाभर में लोकप्रिय है योग, ये है सबसे बड़ी वजह

टेक्नोलॉजी / पेरू की वो महिलाएं जो सहेज रही हैं पारंपरिक ज्ञान

भावनाएं / आखिर क्यों हो जाता है प्यार, ये है इसके पीछे का मनोविज्ञान

स्वास्थ्य / प्री वर्कआउट या पोस्ट वर्कआउट करना कितना है जरूरी

संशय / क्या हंसी एक औषधि है?

## Be First to Comment

## Leave a Reply

Your email address will not be published. Required fields are marked *

Comment

Privacy - Terms

Name*

Jane Doe

Email*

name@email.com

Website

http://google.com

Post Comment

## LATEST FEATURE

दर्शन / ...तो क्या योग प्रथाओं के खिलाफ है अद्वैत?
SEPTEMBER 4, 2019

मुद्दा / तो क्या नोटबंदी से बिगड़ रहे हैं देश के आर्थिक हालात
SEPTEMBER 1, 2019

दर्शन / रमण महर्षि क्यों कहे जाते हैं नव-अद्वैत के प्रणेता!
SEPTEMBER 1, 2019

दर्शन / हर युग में मौजूद थे अद्वैत के सूत्रधार, जरूरत है उनके ज्ञान की
AUGUST 28, 2019

रिपोर्ट / केंद्र ने लिया RBI से 1.76 लाख करोड़, तो क्या अर्थव्यवस्था सुधरेगी?
AUGUST 28, 2019

दर्शन / जिंदगी जीने का सीधा रास्ता है अद्वैत, फिर ये भ्रांति क्यों?
AUGUST 27, 2019

रिपोर्ट / स्वच्छता मिशन में कितना स्वच्छ हुआ भारत?
AUGUST 22, 2019

Privacy - Terms

The Feature Times
1,375 likes

Like Page Contact Us

Be the first of your friends to like this

## NATURAL COLORS OF SPITI RIVER

Privacy - Terms

Natural colors of Spiti River

150x150 Ad Space

150x150 Ad Space

150x150 Ad Space

150x150 Ad Space



The Feature Times

भारत की पहली हिंदी फीचर वेबसाइट

द रेनबो मीडिया प्राइवेट लिमिटिड की ओर से मध्यप्रदेश के भोपाल में हिन्दी फीचर वेबसाइट 'द फीचर टाइम्स' की शुरुआत की गई। वेबसाइट का उद्देश्य गांव और शहर में रहने वाले उन युवाओं की प्रतिभा को दुनिया के सामने लाना है जो हिंदी भाषा में बेहतर फीचर लिखते हैं, लेकिन उन्हें सही माध्यम नहीं मिल पा रहा है। आप हमारी वेबसाइट से जुड़कर लेखन (द फीचर टाइम्स के

कॉन्सेप्ट को आधार रखते हुए) करते हुए अपने सपनों को उड़ान दे सकते हैं। हम अपने प्रिय पाठकों को सकारात्मक कंटेंट उपलब्ध करा रहे हैं ताकि वह अपने घर, समाज और देश में सकारात्मक माहौल बनाने की भूमिका में अपना अमूल्य योगदान दे सकें।

Contact us: info@thefeaturetimes.com



Copyright © 2019 The Feature Times. All Rights Reserved. **Designed and Developed by** insignia.

Privacy - Terms